

भाग्यं भवति कर्मणा

आपका मासिक राशिफल माह अक्टूबर – 2015

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति 01 अक्टूबर

		बृ० शु० मं०			
8	7	सू० 6	5	4	
श०		बु० रा०			
9			3		
10		12 के०	2	च०	
11			1		

मेषः— चू, चे, चो, ला, ली, लू, लो, अ



आपकी बोलचाल की भाषा—शैली में सौम्यता, सभ्यता की अनुभूति के चलते पारिवारिक सदस्यों के साथ बेहतर तालमेल बनते प्रतीत होंगे। माह के प्रथम सप्ताह में स्त्री शक्ति का अधिकतम सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणाम सुखदपूर्ण अहसास कराने वाले प्रतीत होंगे। लाभ और खर्च के मध्य का असन्तुलन

धीरे-धीरे समाधान मार्ग की ओर अग्रसर होगा। खान-पान व्यवस्था में अनियन्त्रण के कारण पेट सम्बन्धी रोगों का सामना करना पड़ सकता है। ग्रहस्थ जीवन सामान्य प्रक्रिया की तरह चलता-फिरता प्रतीत होगा। शत्रुओं पर शमन करने में समर्थवान रहेंगे। अरिष्ट निवारण के लिये 09 मंगलवार को 900 ग्राम मसूर की दाल सुयोग्य पात्र को दान करें। तारीख 4, 5, 6, 10, 11, 12, 13, 14 उत्तम सूचक है।

वृषः— ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो



सामाजिक हित में किये जा रहे आप द्वारा काम काज सातवा के साथ सम्पन्न होंगे। पठन पाठन क्रिया कलाय सकारात्मक दिशा की ओर अग्रसर होंगे। संतान पक्ष की ओर सुखद समाचार प्राप्त हो सकता है। आर्थिक दिशा में किये जा रहे प्रयोग अनायास ही लाभ मार्ग की तरफ बढ़ते प्रतीत होंगे। माह का प्रथम सप्ताह स्वास्थ्य के दृष्टि कोण से बेहतर रहेगा। न्यायालय तथा विधि सेवा कार्य आंशिक कठिनाइयों के साथ सम्पन्न होंगे। माह का द्वितीय सप्ताह अधिकाधिक यात्राओं का सूचक सिद्ध होगा। तीसरे सप्ताह में राजकीय मामलो प्रगति पथ निर्धारित होंगे। भगवान भक्ति का मार्ग मनोबल ऊँचा रखेगा। अरिष्ट निवारण के लिये शुक्रवार को 11 किलो चावल किसी सुयोग्य पात्र को दान करें।

ता— 1, 2, 3, 6, 7, 8, 13, 14, 15, सुखदपूर्ण अहसास कराने वाली प्रतीत होंगी।

मिथुनः— का, की, कू, के, को, हो, घ, ङ, छ



सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री की खरीदफरोख्त व्यय भार अतिरिक्त सीमा रेखा पर कर सकता है। अनायास हो रही यात्राओं बेहतर परिणामदायक सिद्ध होगी। जोखिम पूर्ण निर्णय लेने की प्रवृत्तियों में लगातार वृद्धि होगी। माह के द्वितीय सप्ताह में किसी पुराने चिर परिचित मित्र से अनायास मुलाकात का हर्ष रहेगा। आय के इस माह में जबरदस्त प्रसासनिक क्षमता मौजूद रहेगी। जीवन साथी के साथ मधुरतम पलो का बेहतर सदुपयोग होगा। मित्रों सहयोगियों आदि से वैचारिक मतभेद की स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। भोजन व्यवस्था में सादगी पूर्ण भोजन ही मन को प्रसन्न कर सकता है। अरिष्ट निवारण के लिये बुधवार के दिन कन्याओं को सुविधानुसार फल दान करें।

ता— 4, 5, 8, 9, 10, 16, 17, 18, बेहतरी का अहसास करायेगी।

कर्कः— ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो



भजन संध्या, गीत, आदि से जुड़ता हुआ वातावरण मन को प्रसन्नचित्त करने वाली सिद्ध होगा। सत्य और असत्य के गध्य का मार्ग सत्यता पक्ष की ओर से गुजरने वाला प्रतीत होगहा। माह का पहला सप्ताह खचीली प्रतीत होगा। दौड़ धूप भरा वातावरण भी शारीरिक एव मानसिक कष्ट स्थितियां उत्पन्न करेगा। आंशिक मतभेदों के बावजूद ग्रहस्थ जीवन की स्थितियां नियन्त्रण में रहेगी। ईश्वर अराधना बेहद रूचिकर प्रतीत होगी। व्यवसायिक कार्यों को दिशा देन के प्रयास सार्थक कदम सिद्ध होंगे। परिजनो से वार्ता के दौरान कठोर शब्दों का प्रयोग न करना हितकर रहेगा। राजनैतिक मामलो में प्रगति सूत्र स्थापित होंगे। अरिष्ट निवारण के लिये सोमवार छोटी छोटी कन्याओं को सफेद मित्री तथा सफेद रूमाल दान करे। ता— 1, 2, 6, 7, 8, 11, 12, 13, शुभकारक सिद्ध होगी।

सिंह:— मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे



मौसम के दबलते मिजाज के चलते शीत विकार, ज्वर, सादर आदि से शारीरिक कष्ट रहेगा। भूमि, मकान, प्रापर्टी आदि से जुड़े मसले किसी न किसी रूप में मानसिक परेशानी का सबब बन सकते हैं। माह के प्रथम सप्ताह में राज्याधिकारियों के सहयोग और सानिध्य के कारण राजकीय मामलो राहत मिलती प्रतीत होगी। पारिवारिक सदस्यों के प्रति आय की अनदेखी कुटुम्ब में मतभेद का वातावरण बनायेगी। घर ग्रहस्थी के अनुभव अति सामान्य रहेंगे। व्यस्तता की अधिकता के शिकार बने रहेंगे। केतु और मंगल में षडाष्टक योग दुर्घटना की सूचना देता प्रतीत होगा। माह के दूसरे सप्ताह में स्वास्थ्य तथा आर्थिक पक्ष में सुधार आयेगा। अरिष्ट निवारण के लिये रविवार के दिन तथा रात्रि में सफेद सुरमा लगाये बेहतर रहेगा। ता— 1, 2, 3, 4, 5, 9, 10, प्रगतिकारक प्रतीत होगी।

कन्या:— टो, पा, पी, पू, पे, पो, ष, ण, ठ



शुभ तथा अशुभ दोनों तरह के कार्यों में खर्च अधिकतम सीमा रेखा पार कर सकता है। निम्न स्तर की संगति मानसिक तनाव की रूप रेखा निर्धारित करेगी। माह का प्रथम सप्ताह राजकीय कामकाजों के लिये बेहतर सिद्ध होगा। आर्थिक कार्ययोजनाओं को दिशा देने के प्रयासों से अल्प लाभ की उम्मीद रखना बेहतर होगा। संतान पक्ष की शिक्षा से जुड़े कार्यों में प्रगति अवसर आयेंगे। बन्धु, बान्धव, मित्रादि से वैचारिक मतभेद का माहौल बनता प्रतीत होगा। माह का दूसरा सप्ताह भागदौड़ भरा तथा मानसिक तनाव एकत्रित करने

वाला सिद्ध होगा। ग्रहिणी के सहयोग के चलते कई तरह के बिगड़ते मामलो मे राहत मिलती प्रतीत होगी। अरिष्ट निवारण के लिये बुधवार के दिन किसी न किसी रूप मे मां दुर्गा को उपासना करे।

ता- 3, 4, 5, 6, 7, 8, 11, 12, प्रगतिसूचक सिद्ध होगी।

तुला:- रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते



आप द्वारा किये जा रहे सार्थकता पूर्ण क्रियाकलाप वरुय भार के अतिरिक्त श्रोत निर्धारित करेगे। लाभ और खर्च के मध्य का असंतुलन मन मलीनता का वातावरण निर्मित कहरेगा। माह के प्रथम सप्ताह मे अधिकाधिक यात्रा प्रकरण एकत्रित होंगे। राजद्वारीय मामलो मे आपेक्षित सफलता प्राप्त होगी। कुटुम्ब के सदस्यों के कामकाज मे स्पष्ट रवैया रखना पारिवारिक दृष्टि कोण से बेहतर होगा। साहसिक निर्णय लेने के प्रयास सार्थक दिशा की ओर अग्रसर रहेगे। गृहिणी की समझदारी से ग्रहस्थ जीवन संभलता प्रतीत होगा। माह के द्वितीय सप्ताह मे कठिनाइयों केसाथ आर्थिक सन्तुलन बनेगा। अरिष्ट निवारण के लिये शुक्रवार के दिन सदैव सफेद पोशाक धारण करे। ता- 6, 7, 8, 9, 10, 13, 14, 15, शुभ परिणामदायक सिद्ध होंगी।

वृश्चिक:- तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू



माह के प्रथम सप्ताह मे जीवन संगिनी के साथ मधुरतम पलो का बेहतर सदुप्रयोग होगा। सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े व्यवसाय भी प्रगति मार्ग की ओर अग्रसर रहेगे। भोजन व्यवस्था मे नवीनता की स्थिति बनाने मे कामयाब होंगे। शासन प्रसासन से आपकी बड़ती नजदीकियां तमाम महत्वपूर्ण मामलो मे बेहतरीन भूमिका दा कर सकती है। धनोयाजनि की दिशा मे आ रही समस्याओं का सरलता के साथ समाधान निकाल लेगे। कर्मयोगी की तरह कर्मक्षेत्र मे आलस्य छोड़कर डटे रहे प्रगति के रास्ते खुलते नजर आयेंगे। भागम भाग जिन्दगी का वातावरण निर्मित रहेगा। अरिष्ट निवारण के लिये लाल मुंह वाले बन्दरो को गुड़ चना खिलाये बेहतर होगा। ता- 1, 2, 3, 8, 9, 10, 11, 12, बेहतरी के पथ पर अग्रसर रहेंगी।

धनु:- ये, यो, भा, भी, भू, भे, ध, फ, ढ



विपक्षियों के साथ भी मैत्री पूर्ण सम्बन्ध स्थापित करने के प्रयासों से लाभान्वित रहेंगे। राज्याधिकारी के सानिध्य और सहयोग के चलते राजकीय कामकाज सुगमता के साथ सम्पन्न होंगे। धार्मिक मसलों पर आपकी सामाजिक राय धर्म के पक्ष में ही रहेगी। माहका प्रथम घर ग्रहस्थी के कामकाज के लिये बेहतरीन अवसर उपलब्ध करायेगा। दौड़ धूप की अधिकता से जुड़े प्रकरण कम होते नहीं प्रतीत होंगे। आपकी स्थिति की सोच ही मानसिक परेशानी की सबब बन सकती है। सच और झूठ की कसौटीपरसच के पक्ष में ही मानसिक रूप से पक्षधर रहेंगे। अरिष्ट निवारण के लिये बृहस्पतिवार के दिन सायंकाल पीले रंग की पेन छोटे छोटे बच्चों को दान करे। ता- 4, 5, 6, 10, 11, 12, 13, सुखदपूर्ण प्रतीत होंगी।

मकर:- भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी



किसी गम्भीर विषय के अध्ययन की जिज्ञासा मन से बाहर आयेगी। अनायास ही धार्मिक मामलों में आपकी बढ़ती रुचि धार्मिक यात्रा का वातावरण बनायेगी। भूमि क्रय विक्रय से जुड़े हुये मामलों से मालामाल होते प्रतीत होंगे। आप द्वारा सामाजिक हित में किये जा रहे प्रयास सामाजिक सख्याति की ओर लगातार अग्रसर रहेंगे। संतान पा की ओर से भी सुखद समाचार प्राप्त होगा। हास परिहास, मनोरंजन की संसाधन बढ़ाने के प्रसाए सार्थक दिशा की ओर परिवर्तित होंगे। विरोधियों के विरोध करने की शैली में नरमी के स्पष्ट संकेत प्रतीत होंगे। माह का प्रथम सप्ताह महत्वपूर्ण रहेगा। अरिष्ट निवारण के लिये शनिवार के दिन काले कुत्ते को खोये से बनी जलेबी खिलाये। ता- 6, 7, 8, 14, 15, 16, 17, 18, उत्तमकारक है।

कुम्भ:- गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, द



जीवन संगिनी के साथ तीखी मीठी झड़प के लिये मानसिक रूप से तैयार रहना बेहतर रहेगा। खानपान व्यवस्था को विस्तार रूप देने में सफल सिद्ध होंगे। साझेदारी से जुड़े हुये व्यवसाय आंशिक लाभ का वातावरण बनाते हुये प्रतीत होंगे। माह का प्रथम सप्ताह भागदौड़ भरा तथा मानसिक परेशानियों से जुड़ा हुआ रहेगी। द्वितीय सप्ताह घर ग्रहस्थी के कामकाजों को बेहतर दिशा देने वाला होगा। माह के तीसरे सप्ताह में राजकीय कामकाज सुगमता के साथ सम्पन्न होंगे। आर्थिक कार्य से जुड़ी योजनाएँ भी आकर लेती प्रती होंगे। आपऔर व्यव में सन्तुलन बना रहेगा। अरिष्ट निवारण के लिये

काले कलर के बन्दरों गुड़ चना खिलाये लाभ रहेगा। ता— 8, 9, 10, 15, 16, 17, 18, 19, 20, उत्तम सूचक है।

मीनः— दी, दू, दे, दो, थ, झ, अ, चा, ची



स्त्री शक्ति का सहयोग और सानिध्य आपके कामकाज में बेहतरीन भूमिका अदा कर सकती है। उच्चतम शिक्षा से जुड़े हुये मामलो में प्रगति पथ निर्धारित होंगे। अनायास और बिना सोचे समझे निर्णय लेने की प्रवृत्तियां आपका रक्तचाप बढ़ाने का काम करेंगी। भोजन व्यवस्था की अव्यवस्था के चलते पेट सम्बन्धी रोगों के शिकार बने रहेंगे। संयमित भाषा—शैली का प्रयोग कर विरोधियों से भी सामन्जस्य स्थापित कर लेंगे। माह का द्वितीय सप्तहा बेहद भागदौड़ भरा सिद्ध होगा। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में बेहतर परिणाम प्राप्त करने की संभावना बनी रहेगी। अरिष्ट निवारण के लिये ॐ सदानन्दाय नमः मन्त्र का प्रतिदिन 108 बार जप करें। तारीख 1, 2, 3, 8, 9, 10, 11, 12 सुखदपूर्ण वातावरण निर्मित करेंगी।

माह के प्रमुख व्रत और त्यौहारः—

- 1- श्री संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रतम्, चतुर्थी श्राद्ध, और भरणी श्राद्ध, चन्दोदय रात्रि के 08 बजकर 55 मिनट पर, 01 सितम्बर, मंगलवार।
- 2- पंचमी श्राद्ध, महात्मा गांधी, लालाबहादुर शास्त्री जयन्ती, 02 अक्टूबर, शुक्रवार।
- 3- इन्दिरा एकादशी व्रतम्, सर्वेषाम्, 08 अक्टूबर, बृहस्पतिवार।
- 4- शनि प्रदोष व्रतम्, त्रयोदशी, शनिवार, 10 अक्टूबर।
- 5- पितृ विसर्जन और श्राद्ध की अमावस्या, अमावस्या श्राद्ध, 12 अक्टूबर, सोमवार।
- 6- सोमवार नवरात्रारम्भः, महाराजा अग्रसेन जयन्ती, मंगलवार, 13 अक्टूबर।
- 7- ब्रम्हाचारिणी देवी दर्शन, मु0 मुहर्रम हि0 1437 नववर्षारम्भः, 15 अक्टूबर, बृहस्पतिवार।
- 8- मधुपर्क चतुर्थी, श्री वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम्, 17 अक्टूबर, शनिवार।?
- 9- महानवमी, मन्वादि नवमी, रथ नवमी, दुर्गा विसर्जन, विजया दसमी, शमी पूजन दसमी, 22 अक्टूबर, बृहस्पतिवार।
- 10- पापकुशा एकादशी सर्वेषाम्, 23 अक्टूबर, शुक्रवार।
- 11- शाकम्भरी देवी मेला (सहारनपुर) की पूर्णिमा, बाल्मिकी जयन्ती, 27 अक्टूबर, मंगलवार।

12- दशरथ चतुर्थी (बंगाल) करवा चौथ, करक चतुर्थी, श्री संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रतम्,
चन्द्रदोदय रात्रि मे 08 बजे, 30 अक्टूबर, शुक्रवार।

13- ललिता चतुर्थी, यम पंचकरारम्भः, 31 अक्टूबर, शनिवार।



पंडित आनंद अवस्थी

पं० आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां
रायबरेली

डी-79, साउथ सिटी, लखनऊ एम०बी० नं०- 9450460208

----E-mail : pt.anand.awasthi@gmail.com

